

खबर संक्षेप

कन्या आश्रम की छात्राओं ने जवानों को बांधी राखी



दौरनापाल। राखी के अवसर पर थाना पोलमपल्ली क्षेत्र के अंतर्गत संचालित कन्या आश्रम जगरगुंडा की बालिकाओं ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रक्षा सूत्र बांधकर भाई-बहन के रिश्ते की आत्मीयता को मजबूत किया। इस दौरान छात्राओं ने पुलिसकर्मियों को राखी बांधते हुए अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस पर भरोसा जताया। कार्यक्रम के दौरान थाना पोलमपल्ली पुलिस ने छात्राओं की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि सुकमा पुलिस छात्राओं की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तत्पर है और हर परिस्थिति में उन्हें आवश्यक सुरक्षा एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। पुलिस की ओर से छात्राओं को थाना पोलमपल्ली के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराए गए, ताकि किसी भी आपात स्थिति या परेशानी में छात्राएं सीधे पुलिस से संपर्क कर सकें। इस पहल से छात्राओं और पुलिस के बीच विश्वास और सुरक्षा की भावना और मजबूत हुई। रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम पुलिस और बालिकाओं के बीच आत्मीय संबंधों का संदेश देने वाला रहा।

छिंदनार में सीआरपीएफ जवानों को बांधी राखी



गीदम। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर अंचल बेलाडीला रेंजे संच द्वारा एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छिंदनार में स्थित सीआरपीएफ 195 बटालियन के कैप में एकल अभियान के आचार्य बहनों द्वारा सैनिकों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर भाई-बहन के प्रेम और विश्वास के बंधन को और अधिक प्रगाढ़ किया गया। देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए यह दिन बेहद खास रहा। आचार्य बहनों ने कैप में पहुंचकर सभी सैनिकों का तिलक वंदन किया, आरती उतारी और उनकी कलाई पर राखी बांधी। बहनों ने सैनिकों की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और सुरक्षित जीवन की कामना की। वहीं, जवानों ने भी बहनों की रक्षा के साथ-साथ देश की अखंडता और सुरक्षा का वचन दिया। रक्षाबंधन का यह उत्सव बड़े ही उत्साह और प्रेम के साथ मनाया गया। राखी बांधने के बाद सभी ने एक साथ भोजन किया और मिठाइयां बांटी गईं। कैप परिसर में स्नेह और प्रेम का माहौल बना रहा। सैनिकों द्वारा एकल अभियान की सभी कार्यकर्ता बहनों के लिए भोजन और मिठाई की विशेष व्यवस्था कराई गई थी। एकल अभियान की बहनों ने कहा कि हमारे सैनिक भाई अपने परिवारों से दूर रहकर देश और समाज की सुरक्षा में लगे रहते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन के अवसर पर उन्हें राखी बांधकर हमें गर्व और आत्मीयता का अनुभव होता है।

हरिभूमि न्यूज ►► बीजापुर

बीजापुर की पहचान लंबे समय तक नक्सलवाद और हिंसा से जुड़ी रही, लेकिन अब इसकी तस्वीर बदल रही है। यहां के अंदरूनी इलाकों से निकलने वाले बच्चे आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मैदानों में भारत की जर्सी पहन रहे हैं। इस सकारात्मक बदलाव के पीछे बीजापुर में सॉफ्टबॉल को नई पहचान दिलाने वाले श्रम निरीक्षक सोपान कर्णेवार की भूमिका बेहद खास है।

खुद राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता, शहीद पंकज विक्रम पुरस्कार और मुख्यमंत्री ट्रॉफी से सम्मानित सोपान कर्णेवार पिछले नौ वर्षों से स्थानीय बच्चों को नि:शुल्क खेल प्रशिक्षण दे रहे हैं। वर्ष 2017 में स्थापित बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी के माध्यम से आज करीब 280 बालक-बालिकाएं हॉस्टलों में

बंदूकों की गूंज छोड़ खेल के मैदान में तिरंगा लहरा रहे बस्तर के बच्चे

चीन में बीजापुर के कोच ने संमाली कमान

नवंबर 2023 में रेणुका तेलम और विमल तेलम ने चीन में आयोजित अंडर-18 महिला सॉफ्टबॉल एशियाई चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। खास बात यह रही कि इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक (हेड कोच) बीजापुर के सोपान कर्णेवार रहे।



‘लाल आतंक’ से ‘खेलगढ़’ की ओर

कभी नक्सलवाद और हिंसा की पहचान रहा बीजापुर आज खेल प्रतिभाओं के कारण नई पहचान बना रहा है। अंदरूनी इलाकों के बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैदानों तक पहुंच रहे हैं। खेल अकादमी इस बदलाव की जीवंत तस्वीर बनकर सामने आई है।

कन्या आश्रम की 50 छात्राओं को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

ढाई महीने से बेखबर थे छिंदगढ़ के बीईओ

हरिभूमि न्यूज ►► सुकमा

जिले के छिंदगढ़ ब्लॉक मुख्यालय से महज 10 किमी की दूरी पर स्थित गुडरा कन्या आश्रम के मामले ने शैक्षणिक व्यवस्था और जिम्मेदारों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिया है। ब्लॉक स्तर के बीईओ व अन्य अधिकारी के

द्वारा 16 जून से 25 अगस्त तक मामले को छिपाये रखने से जहां शासन प्रशासन की किरकौरी हुई है तो दुसरी ओर व्यवस्था पर भी उंगली उठाना शुरू हो गई है।

आखिर क्या कर रहे थे बीईओ

छिंदगढ़ विकासखंड के गुडरा स्थित कन्या आश्रम गंजेनार में करीब 50 छात्राओं के जून 2026 से आश्रम में नहीं रहने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। गुरुवार को बस्तरिया राज मोर्चा ने इस मामले को लेकर छिंदगढ़ ब्लॉक मुख्यालय में करीब 8 घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों से तीखी बहस भी हुई। आंदोलनकारियों ने सवाल उठाया कि जब आश्रम ब्लॉक मुख्यालय से महज करीब 10 किलोमीटर की दूरी पर संचालित हो रहा है, तो इतने लंबे समय तक छात्राओं की स्थिति और उनकी पढ़ाई को लेकर विकासखंड स्तर के बीईओ व अन्य अधिकारी आखिर क्यों बेखबर और गैर जिम्मेदार बने रहे?

प्रशासनिक दावों पर भी सवाल

बताया गया कि शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ से आश्रम में मरम्मत कार्य के नाम पर छात्राओं को अपने-अपने घर भेज दिया गया था। इसके बाद अब तक छात्राएं आश्रम वापस नहीं लौटीं। मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि छात्राओं को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत दूसरे स्कूलों में पढ़ाया जा रहा था, तो इसकी नियमित निगरानी किस अधिकारी की जिम्मेदारी थी और छात्राओं की उपस्थिति किस रजिस्टर में दर्ज हो रही थी? प्रदर्शन के दौरान पालकों और शिक्षकों ने भी प्रशासन के उस दावे पर सवाल उठाए, जिसमें छात्राओं के लिए अन्य व्यवस्था किए जाने और दूसरे स्कूलों में पढ़ाई कराने की बात कही गई।

छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा है मामला

जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं बस्तरिया राज मोर्चा के नेता महेश कुंजाम ने प्रशासन द्वारा सौंपी गई छात्राओं की सूची को भी फर्जी करार देते हुए कहा कि सबसे पहले यह स्पष्ट होना चाहिए आश्रम की 50 छात्राएं वर्तमान में कहाँ हैं, उनकी पढ़ाई किस व्यवस्था के तहत हो रही है और उनकी जिम्मेदारी किस अधिकारी की है। उन्होंने कहा कि यह केवल आश्रम भवन की मरम्मत का मामला नहीं है, बल्कि छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा और उनके भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है।



विकासखंड स्तर की निगरानी पर बड़ा सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि ब्लॉक मुख्यालय से महज 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक कन्या आश्रम में महीनों से छात्राएं नहीं रह रही थीं, तो संबंधित विकासखंड स्तरीय अधिकारियों ने इसकी सूझ क्यों नहीं ली? क्या आश्रम का नियमित निरीक्षण किया गया? यदि निरीक्षण हुआ तो छात्राओं की अनुपस्थिति अधिकारियों की नजर में क्यों नहीं आई? और यदि निरीक्षण नहीं हुआ तो शासन की ओर से तय निगरानी व्यवस्था आखिर किस काम की है? बताया जाता है कि छिंदगढ़ के बीईओ ने स्वयं स्वीकार किया कि उन्होंने इस शैक्षणिक सत्र में उक्त आश्रम का निरीक्षण नहीं किया था।

कन्या आश्रम से 50 छात्राएं गायब! बस्तरिया राज मोर्चा ने दिया धरना

कन्या आश्रम से 50 छात्राएं गायब! बस्तरिया राज मोर्चा ने दिया धरना

आश्रम मामले में हो ठोस कार्रवाई नहीं तो...

बस्तरिया राज मोर्चा ने कहा कि फिलहाल त्योहार को देखते हुए धरना स्थगित किया गया है। महेश कुंजाम ने चेतावनी दी कि सोमवार तक यदि मामले में उचित और ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। अब देखना होगा कि प्रशासन केवल वैकल्पिक व्यवस्था का आश्वासन देता है या छात्राओं की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करते हुए लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर भी जवाबदेही तय करता है।

कमाण्डेंट रमण ने दिया सशक्त बल, सशक्त भारत का संदेश



हरिभूमि न्यूज ►► बीजापुर

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 170 वीं वाहिनी के मुख्यालय सहित मुरदंडा एवं सीतापुर समवायों (कंपनियों) में आज राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह एवं उमंग के साथ

सीआरपीएफ 170वीं वाहिनी ने मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

मनाया गया। यह दिन प्रत्येक वर्ष 'हॉकी के महान खिलाड़ी और 'हॉकी के जादूगर' कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में वाहिनी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों तथा स्थानीय खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया।

कमाण्डेंट सरकार राजा रमण, द्वितीय कमान अधिकारी विनोद रावत, उप कमाण्डेंट अभय कुमार सिंह व सुरेश नैटियाल, सहायक कमाण्डेंट भालंतु पाण्डेय (मुरदंडा ई/170 बटा.), निरीक्षक रंजीत जाट

(सीतापुर डी/170 बटा.) सहित सभी अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों और कार्मिकों ने न केवल कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, बल्कि विभिन्न खेल गतिविधियों में स्वयं उतरकर सहभागिता भी की। कार्यक्रम के दौरान कमाण्डेंट रमण ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक मजबूती, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना के विकास का महत्वपूर्ण जरिया है। खेल हमें चुनौतियों का सामना करने, हार से सीखने एवं जीत को विनम्रता के साथ स्वीकार करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आगे कहा कि एक स्वस्थ एवं मजबूत बल के निर्माण में खेलों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक कार्मिक को अपने दैनिक जीवन में खेल एवं शारीरिक गतिविधियों को अनिवार्य रूप से स्थान देना चाहिए। कार्यक्रम का समापन “स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन-सशक्त बल और सशक्त भारत” तथा “खेलो इंडिया, तभी तो बढ़ेगा इंडिया” के गगनभेदी नारों और संकल्प के साथ हुआ।

केंद्रीय विद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस की धूम

हरिभूमि न्यूज ►► बीजापुर

केन्द्रीय विद्यालय में आज राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन उत्साह के साथ किया गया। यह आयोजन भारतीय हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर उन्हें याद करते हुए आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य

शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच हुआ रोमांचक वॉलीबॉल मैच

दशरथ ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए दैनिक जीवन में नियमित शारीरिक गतिविधि अपनाने तथा एक स्वस्थ व अनुशासित जीवनशैली के प्रति जागरूक किया।

प्राचार्य दशरथ ने अपने विशेष संबोधन में कहा, खेल शिक्षा का एक अभिन्न अंग है। नियमित खेलकूद से विद्यार्थियों का न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है, बल्कि उनमें स्वस्थ



प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होती है। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। खेल शिक्षक आनंद कुमार कुशवाहा के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेलकूद गतिविधियों प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, डोजबॉल और प्राथमिक कक्षा के नन्हे बच्चों के

लिए मनोरंजक रीक्रिएशन गेम्स शामिल रहे। इन सभी खेलों में विद्यार्थियों ने पूरे दमखम और उत्साह के साथ भाग लिया। खेल उत्सव का मुख्य आकर्षण शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के मध्य खेला गया एक बेहद रोमांचक वॉलीबॉल मैच रहा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी हुए पुरस्कृत

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं

अटल लैब की लेटलतीफी को दूर कर रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराने को कहा

जमीनी हकीकत जानने कलेक्टर अमित कुमार पहुंचे जिला अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ►► सुकमा

स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मरीजों को उपचार के लिए अनावश्यक परेशानी न हो और अस्पताल की पूरी व्यवस्था मरीज-केंद्रित हो। उक्त बातें कलेक्टर अमित कुमार ने जिला अस्पताल प्रबंधन से कही।

कलेक्टर ने ओपीडी, आयुष्मान कार्ड केंद्र, औषधि वितरण केंद्र, प्रयोगशाला, एक्स-रे कक्ष और मातृ-शिशु वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी अधिकारियों से ली। इस दौरान सिविल सजिन डॉ. एम.आर. कश्यप सहित चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य अमला मौजूद रहा।

लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी

कलेक्टर अमित कुमार ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि जिला चिकित्सालय में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर उपचार, आवश्यक जांच, दवाइयां और मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध हों। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं में जहां भी कमी है, उसे तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों और अस्पताल प्रबंधन को स्पष्ट रूप से कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मरीजों को उपचार के लिए अनावश्यक परेशानी न हो और अस्पताल की पूरी व्यवस्था मरीज-केंद्रित हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला चिकित्सालय सुकमा में स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों को मिल रही सेवाओं की जमीनी हकीकत जानने शनिवार को कलेक्टर अमित कुमार ने



अचानक अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न विभागों का बारीकी से जायजा लेते हुए व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार के निर्देश

अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया।

वास्तविक स्थिति समझने का किया प्रयास

निरीक्षण के अंतिम चरण में कलेक्टर मातृ-शिशु वार्ड पहुंचे। यहां उन्होंने मर्ती बच्चों का हालचाल जाना और उनके परिजनों से आत्मीयता से बातचीत कर अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। मरीजों और परिजनों से सीधे फीडबैक लेकर उन्होंने व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति समझने का प्रयास किया।

मरीजों से लिया फीडबैक

प्रयोगशाला के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मरीजों एवं हिताधिकारियों से बातचीत कर जांच सुविधाओं और रिपोर्ट मिलने में लगने वाले समय की जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों से विभिन्न जांचों की रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया समझी और रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को उपचार के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

मरीजों को एक्स-रे फिल्म देने के निर्देश

कलेक्टर ने एक्स-रे कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक हिताधिकारी को एक्स-रे की फिल्म उपलब्ध कराई जाए। इससे मरीजों को आगे उपचार अथवा रेफर किए जाने की स्थिति में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

शपथ पत्र

मैं बुधरू कश्यप पिता बुधराम कश्यप आयु 28 वर्ष निवासी चिड़पाल नेगावर छग, बस्तर निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन करता हूँ।
(1) यह कि मैं उपरोक्त पते व नाम का निवासी हूँ।
(2) यह कि मेरे आधार कार्ड क्रमांक 5784-3898-0550 में मेरा नाम बुधरू पिता बुधराम (BUDHRU/S/O : BUDRAM) बुद्धिय आधर कार्ड में अंकित है।
(3) यह कि मेरे राशनकार्ड में मेरा नाम बुधरू जो कि सही नाम अंकित है।
(4) यह कि मेरे वोटर आईडी कार्ड में नाम बुधरू कश्यप पिता बुधराम कश्यप दर्ज है।
(5) यह कि मेरे आधार कार्ड क्रं. 5784-3898-0550 में अपना सही नाम बुधरू कश्यप पिता बुधराम कश्यप अंकित करवाना चाहता हूँ (BUDHRU KASHYAP S/O BUDHRAM KASHYAP)
(6) यह कि शपथ पत्र आधार कार्ड में नाम सुधरवाने हेतु के समर्थन में शपथ पत्र प्रस्तुत है।

बुधरू शपथकर्ता

